

चक्रवात फणी के कारण चलिका झील में चार नए मुहाने

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के पूर्वी तट पर आए 'चक्रवात फणी' के कारण चलिका झील में चार नए मुहाने बन गए हैं।

प्रमुख बदि

- ओडिशा तट पर चक्रवात फणी के टकराने से पहले चलिका झील के केवल दो मुहाने सक्रिय थे, ये ऐसे बदि होते हैं जहाँ झील समुद्र से मिलती है। लेकिन, अब उच्च ज्वारीय प्रज्म युक्त तरंग ऊर्जा के कारण चार नए मुहाने खुल गए हैं।
- इन नए मुहानों के खुलने के कारण बहुत अधिक मात्रा में समुद्री जल चलिका झील में प्रवेश कर रहा है, जिससे चलिका लैगून की लवणता में वृद्धि होती जा रही है।
- चलिका झील के जल में खारापन है, लेकिन एक नश्चिति स्तर से अधिक लवणता होने पर इस झील के पारस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन की संभावना है।
- यदि समुद्री जल झील में प्रवेश करता है तो इससे मछलियों के प्रवासन में बढ़ोतरी होगी, जिससे जैव-विविधता समृद्ध होगी। लेकिन, इसके दीर्घकालिक प्रभावों के संबंध में विशेष रूप से सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

चलिका झील

- ओडिशा की चलिका झील भारत की सबसे बड़ी एवं विश्व की दूसरी सबसे बड़ी समुद्री झील है।
- यह एक अनूप झील है, अर्थात् यह समुद्र का ही एक भाग है जो महानदी द्वारा नक्षिपति गाद के जमाव के कारण समुद्र से छटिक कर एक छछिली झील के रूप में विकसित हो गई है।
- यह खारे पानी की एक लैगून है, जो भारत के पूर्वी तट पर ओडिशा राज्य के पुरी, खुरदा और गंजम ज़िलों में वस्तित है।
- यह भारत की सबसे बड़ी तटीय लैगून है।
- यह झील रामसर अभिसमय के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की 'आरद्रभूमि' के रूप में नामित है।

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया